



!! ओ३म् !!

प्राचीन व आधुनिक
शिक्षा का उत्तम सामंजस्य



Your child's bright future with Indian Culture...

गुरुकुल देव ऋषि मेरठ

Aff. No. 2134323

GURUKUL DEV RISHI MEERUT

(English Medium)

CBSE Affiliated (Classes I to XII)



प्रवेश
प्रारम्भ

ADMISSION OPEN

Registrations Started : 2026-27

Residential School (Only for Boys)

गुरुकुल देव ऋषि मेरठ

चौधरी चरण सिंह कांवड़ मार्ग, गंगानहर, निकट नानू ब्रिज, सरधना (मेरठ)

www.gurukuldevrishi.org | gurukuldevrishi1@gmail.com

Ph.: 8448723233, 8448753233

गुरुकुल देव ऋषि मेरठ

चौधरी चरण सिंह कांवड़ मार्ग, गंगानहर, निकट नानू ब्रिज, सरधना (मेरठ)

www.gurukuldevrishi.org | gurukuldevrishi1@gmail.com

Ph.: 8448723233, 8448753233

गुरुकुल देव ऋषि मेरठ – एक परिचय

प्राचीन काल से सम्पूर्ण विश्व भारत की मेधा एवं उसके ज्ञान के आलोक से आलोकित होता रहा है। भारत देश के ऋषि-मुनियों ने “सा विद्या या विमुक्तये” का ज्ञान देकर शिक्षा की महत्ता पर बल दिया है। हमारे देश में वैदिक काल से गुरुकुल शिक्षा प्रणाली चली आ रही है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना जहाँ शिक्षा के साथ संस्कार, प्रेम, त्याग, करुणा, दया, विनम्रता, सहानुभूति, सहिष्णुता, साहस एवं स्वाभिमान जैसे मानवीय गुणों को बालक के अन्तः में उत्पन्न कर सम्पूर्ण मनुष्य बनाने का प्रयास किया जाता रहा है।

शिक्षण संस्थान वैदिक शिक्षा एवं आधुनिक शिक्षा प्रणाली का समन्वय कर विद्यार्थी में बौद्धिक, शारीरिक, आत्मिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक विकास करके आदर्श नागरिक निर्माण करने के लिये अपनी सम्पूर्ण सामर्थ्य से पूर्णतया संकल्पित है।

उद्देश्य

1. शहर के कोला हल पूर्ण दूषित वातावरण से दूर प्रकृति की नैसर्गिक एवं रमणीय गोद में बैठकर बालक के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना।
2. शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कारवान, चरित्रवान एवं सामाजिक कुशलता का विकास करना।
3. सकारात्मक मनोवृत्ति को बढ़ावा देना एवं रचनात्मक शक्ति को जाग्रत करना।
4. विद्यार्थियों में सुप्त पड़ी विभिन्न जिज्ञासाओं और प्रतिभाओं को स्वर व आकार देना।
5. ज्ञान का दीप प्रज्वलित कर अज्ञान के अंधकार को मिटाना
6. सामूहिक रूप से एक साथ रहते हुए एकता के सूत्र में पिरोना।
7. राष्ट्र प्रेम एवं शिष्टाचार की शिक्षा प्रदान करना।
8. समाज, सभ्यता एवं संस्कृति के प्रति कर्तव्यनिष्ठा की भावना उत्पन्न करना ।
9. जीवन में स्व-नियन्त्रण एवं अनुशासन की भावना को विकसित करना।
10. महापुरुषों की परम्परा व स्वपनों को पूर्ण करने वाले यज्ञ युक्त दिन चर्चा का पालन करना।
11. हृदय और मस्तिष्क का सन्तुलन बनाकर मानव को महा मानव बनाना।



सुविधा एवं विशेषताएँ

1. गुरुकुल देव ऋषि मेरठ गंगा के पवित्र जल से युक्त गंगा नहर के पास प्रकृति की नैसर्गिक एवं रमणीक गोद में अवस्थित है।
2. प्रातः योग कराने के लिये योगाचार्य एवं प्रतिदिन संध्या व यज्ञ के लिये यज्ञशाला।
3. आधुनिक एवं तकनीकी शिक्षा के लिये विषय विशेषज्ञ एवं शिक्षण कार्य में पारंगत शिक्षक
4. विभिन्न खेल प्रशिक्षण के लिये योग्य एवं कुशल प्रशिक्षक
5. आधुनिक संगीत उपकरण एवं कुशल संगीत प्रशिक्षक
6. आधुनिक सुविधाओं से युक्त हवादार शिक्षण-कक्ष
7. आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित विज्ञान प्रयोगशालाएँ
8. सभी विषयों से सुसज्जित पुस्तकालय
9. आधुनिक कम्प्यूटर प्रयोगशाला
10. आधुनिक सभी सुविधाओं से युक्त वातानुकूलित छात्रावास
11. सी.सी.टी.वी. कैमरे से युक्त सम्पूर्ण गुरुकुल परिसर
12. विद्यार्थियों के लिये आहार-शास्त्र एवं आयुर्वेद शास्त्र के अनुरूप शुद्ध भोजन
13. प्राथमिक उपचार के लिये चिकित्सालय एवं योग्य चिकित्सक
14. विस्तृत हरे-भरे खेल के मैदान एवं आधुनिक खेल उपकरण
15. शान्त वातावरण व सभी प्रकार से सुरक्षित सम्पूर्ण गुरुकुल परिसर



प्राचीन एवं आधुनिक शिक्षा के अनुपम सामंजस्य पूर्ण प्राकृतिक वातावरण युक्त “गुरुकुल देव ऋषि मेरठ” में अपने बालक के प्राचीन एवं आधुनिक शिक्षा के अनुपम सामंजस्य पूर्ण प्राकृतिक वातावरण युक्त “गुरुकुल देव ऋषि मेरठ” में अपने बालक के सर्वांगीण विकास के लिये प्रवेश दिलाकर उनके स्वर्णिम भविष्य का निर्माण करें

GURUKUL DEV RISHI MEERUT - AN INTRODUCTION

India's wisdom and knowledge used to illuminate the whole world since ancient Period. The saints of india always emphasized the importance of education through the concept, ‘SA VIDYA YA VIMUKTYE’. Vedic Gurukul education system is prevalent in India since ages, which aims at the all-round development of the students in a manner that education is enriched with SANSKAR. Human values like love, sacrifice, sympathy, humanity are inculcated intrinsically in a child to develop him into a complete human being. “Gurukul Dev Rishi” Meerut is determined for the making of the ideal citizens by developing the Physical, Spiritual, intellectual moral and character-oriented aspects through the ideal blending of Gurukul and modern education system.

OBJECTIVES

1. The Gurukul aims all-round development of the impressionable mind of a child in the serene lap of nature, away from the noise of the city life. To develop literacy, Health, Moral value, character and social efficiency.
2. To encourage positive mindset and to explore creativity.
3. To explore and shape the hidden talents and inquisitiveness of the students.
4. To eliminate the darkness of through the light of wisdom.
5. To develop the feeling of unity by living together.
6. To impart the sense of patriotism and good behavior.
7. To develop the sense of responsibility toward society and culture.
8. To develop the quality of self – control and discipline.
9. To follow the routine of yagya for the fulfillment of the traditions and dreams of the great men.
10. To convert the ordinary human into great character through the lapt balance of heart and mind.



FACILITIES AND SPECIALITIES

1. Grukul Dev Rishi Meerut is situated near the pious Gang Nahar, blessed with the beautiful natural surroundings.
2. Yoga instructor for yogaclass and Yagashala for Sandhya and Yagya everyday.
3. The expert and specialized teacher for modern and technical education.
4. Trained and skilled instructors for training in different sports.
5. Modern musical instruments and skilled music teachers.
6. Ventilated classroom with modern amenities.
7. Well equipment modern science laborites.
8. Gurukul Premises with CCTV cameras.
9. Air Conditional hostel with all facilities.
10. Healthy meals as per Aahar Shastra and Ayurveda .
11. Library with Huge Collection of books of all subjects,
12. Modern computer lab.
13. Huge lush green fields and modern Sports equipments.
14. First aid facilities with qualified doctor.
15. Peaceful and secured Gurukul Campus.



For the golden future of your child, head toward the **GURUKUL DEVRISHI MEERUT** blessed with the perfect amalgamation of traditional value and modern education.

विद्या ददाति विनयं विनायद्याति पात्रत्वाद् धनमाप्नोति धनाद् धर्मस्ततः सुखम् ॥

वाणी रसवती यस्य श्रमवती क्रिया । लक्ष्मी दानवती यस्य सफलं तस्य जीवनम् ॥